RIYASAT IAS
—MENTORING FUTURE OFFICERS—

हिन्दी साहित्य

फाउंडेशन पाठ्यक्रम
और टेस्ट सीरीज 2027

200 घंटों की क्लास
के माध्यम से वैकल्पिक विषय की तैयारी के लिए अनुशासित दृष्टिकोण।

रियासत अली सर
15 वर्षों का मेंटोरशिप अनुभव

वैकल्पिक विषय के रूप में हिंदी साहित्य ही क्यों ?

- 100% स्थिर पाठ्यक्रम (Static Syllabus)
- प्रथम प्रश्नपत्र में अधिकतम अंक, सटीक उत्तर लिखने पर पूरे अंक!
- सफलता की उच्च दर (High Success Ratio)
- प्रत्येक माह 2 Live मेंटोरशिप Session.
- संपूर्ण पाठ्यक्रम का गहन विश्लेषण, उत्तर लेखन अभ्यास, सर्वश्रेष्ठ अध्ययन सामग्री, और भी बहुत कुछ..

Only 50 Seats in a Batch!

Contact us : 9319612575
Our website : www.iasmentorship.com
Our Address :
64, Top floor, Bada Bazar Marg,
Old Rajendra Nagar, Delhi-110060

RIYASAT IAS
— MENTORING FUTURE OFFICERS —

हिन्दी साहित्य उत्तर लेखन - UPSC CSE 2027-28

मुख्य परीक्षा में एक अच्छी उत्तर लेखन शैली बहुत महत्वपूर्ण होती है। सिविल सेवा परीक्षा में सफलता प्राप्त करने हेतु मेन्स टेस्ट सीरीज़ सर्वाधिक उपयुक्त माध्यम है क्योंकि इससे परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करने की सही समझ विकसित होती है। चूँकि एक बेहतर लेखन शैली को निरंतर अभ्यास के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकता है, यही कारण है कि आप सभी के लिये हिन्दी साहित्य उत्तर लेखन की अगली कड़ी प्रस्तुत किया जा रहा है। इस टेस्ट सीरीज़ कार्यक्रम का एकमात्र उद्देश्य अभ्यर्थियों की छिपी हुई प्रतिभा को निखारना है। साथ ही, मूल्यवान फीडबैक के माध्यम से आपके लेखन में गुणोत्तर सुधार करना है।

डॉ पुनीत चतुर्वेदी सर (हिन्दी साहित्य)

हिन्दी साहित्य वैकल्पिक विषय के विख्यात शिक्षक, PhD, 4 बार NET उत्तीर्ण, सर 2015 से UPSC छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं।

प्रमुख विशेषताएँ:

- कुल 14 टेस्ट: 8 Mini Mock Test + 4 Section Test + 2 Full Mock Test (Paper 1&2)
- नवीनतम पद्धति के अनुसार गहन शोध के पश्चात् तैयार प्रश्नपत्र।
- प्रश्नों का प्रारूप आगामी मुख्य परीक्षा को ध्यान में रखकर होगा।
- पर्याप्त तैयारी हेतु टेस्ट्स के बीच उचित अंतराल।
- उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन ताकि अभ्यर्थियों को अगले टेस्ट से पहले उपयुक्त प्रतिक्रिया मिल सके।
- अभ्यर्थियों के सबल और कमजोर पक्ष पर विस्तृत विश्लेषण।
- उत्तर लेखन में व्याकरण एवं वर्तनी सम्बन्धी नियमों का अनुपालन।
- फ्लेक्सी फॉर्मेट- विद्यार्थी अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी दिन (निर्धारित तिथि के बाद) व किसी भी समय परीक्षा दे सकते हैं।

मिनी मॉक टेस्ट

रियासत IAS मेंटरशिप की यह अनूठी पहल हिन्दी साहित्य के प्रत्येक कवि व रचनाकार पर पकड़ मजबूत बनाती है। नियमित अंतराल पर होने वाला यह केंद्रित अभ्यास अभ्यर्थी को टॉपिक-दर-टॉपिक निपुणता प्रदान करता है, जो अंतिम सफलता की सबसे मजबूत बुनियाद है।

सेक्शनल टेस्ट

रियासत सर के मार्गदर्शन में तैयार सेक्शनल टेस्ट हिन्दी साहित्य के हर खंड की गहनतम समझ सुनिश्चित करता है। विस्तृत फीडबैक के साथ यह अभ्यर्थी की कमजोर कड़ियों को समय रहते पहचानकर उन्हें ताकत में बदलने की गारंटी देता है।

फुल लेंथ टेस्ट

यही रियासत IAS मेंटरशिप की असली पहचान है – संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित फुल लेंथ टेस्ट, जो UPSC CSE 2027-28 की मुख्य परीक्षा का सटीक पूर्वाभ्यास कराता है। 15+ वर्षों के अनुभव से तैयार यह टेस्ट अभ्यर्थी को परीक्षा-कक्ष में आत्मविश्वास से भर देता है।

Contact us : 9319612575

Our website : www.iasmentorship.com

Our Address :
64, Top floor, Bada Bazar Marg,
Old Rajendra Nagar, Delhi-110060

Type of test	Paper	Major Topics	Micro Topics
Mini Mock Test 1	**Paper 1**	**खंड : 'क'** (हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का इतिहास)	अपभ्रंश, अवहट्ट और प्रारंभिक हिन्दी का व्याकरणिक तथा अनुप्रयुक्त स्वरूप। मध्यकाल में ब्रज और अवधी का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास। सिद्ध एवं नाथ साहित्य, खुसरो, संत साहित्य, रहीम आदि कवियों और दक्खिनी हिन्दी में खड़ी बोली का प्रारंभिक स्वरूप। उन्नीसवीं शताब्दी में खड़ी बोली और नागरी लिपि का विकास। हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का मानकीकरण।
Mini Mock Test 2	**Paper 1**	**खंड : 'क'** (हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का इतिहास)	स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान राष्ट्र भाषा के रूप में हिन्दी का विकास। भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास। हिन्दी भाषा का वैज्ञानिक और तकनीकी विकास। हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ और उनका परस्पर संबंध। नागरी लिपि की प्रमुख विशेषताएँ और उसके सुधार के प्रयास तथा मानक हिन्दी का स्वरूप। मानक हिन्दी की व्याकरणिक संरचना।
Mini Mock Test 3	**Paper 1**	**खंड : 'ख'** (हिन्दी साहित्य का इतिहास)	हिन्दी साहित्य की प्रासंगिकता और महत्त्व तथा हिन्दी साहित्य के इतिहास–लेखन की परम्परा। हिन्दी साहित्य के इतिहास के निम्नलिखित चार कालों की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ 1) **आदिकालः** सिद्ध, नाथ और रासो साहित्य। प्रमुख कविः चंदबरदाई, खुसरो, हेमचन्द्र, विद्यापति। 2) **भक्ति कालः** संत काव्य धारा, सूफी काव्यधारा, कृष्ण भक्तिधारा और राम भक्तिधारा। प्रमुख कवि : कबीर, जायसी, सूर और तुलसी। 3) **रीतिकालः** रीतिकाव्य, रीतिबद्ध काव्य, रीतिमुक्त काव्य प्रमुख कवि : केशव, बिहारी, पदमाकर और घनानंद। (4) **आधुनिक कालः** (क) नवजागरण, गद्य का विकास, भारतेन्दु मंडल (ख) प्रमुख लेखक : भारतेन्दु, बाल कृष्ण भट्ट और प्रताप नारायण मिश्र। 5) आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ। छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता और जनवादी कविता। प्रमुख कवि: मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह 'दिनकर', सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', गजानन माधव मुक्तिबोध, नागार्जुन।

Type of test	Paper	Major Topics	Micro Topics
Mini Mock Test 4	**Paper 1**	**खंड : 'ख'** (हिन्दी साहित्य का इतिहास) (कथा साहित्य)	**कथा साहित्य:** •उपन्यास और यथार्थवाद •हिन्दी उपन्यासों का उद्भव और विकास •प्रमुख उपन्यासकार : प्रेमचन्द, जैनेन्द्र, यशपाल, रेणु और भीष्म साहनी। •**हिन्दी कहानी** का उद्भव और विकास। •प्रमुख कहानीकार : प्रेमचन्द, जयशंकर प्रसाद, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', मोहन राकेश और कृष्णा सोबती। **नाटक और रंगमंच:** •हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास •प्रमुख नाटककार : भारतेन्दु, जयशंकर प्रसाद, जगदीश चंद्र माथुर, रामकुमार वर्मा, मोहन राकेश। •हिन्दी रंगमंच का विकास। **आलोचना:** •हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास– सैद्धांतिक, व्यावहारिक, प्रगतिवादी, मनोविश्लेषणवादी आलोचना और नई समीक्षा। •प्रमुख आलोचक – रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा और नगेन्द्र। हिन्दी गद्य की अन्य विधाएँ: ललित निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृत्तान्त।
Mini Mock Test 5	**Paper 2**	**खंड : 'क'** (पद्य साहित्य)	•**कबीर:** कबीर ग्रंथावली (आरंभिक 100 पद) सं. श्याम सुन्दर दास •**सूरदास:** भ्रमरगीत सार (आरंभिक 100 पद) सं. रामचंद्र शुक्ल •**तुलसीदास:** रामचरित मानस (सुंदर काण्ड), कवितावली (उत्तर काण्ड) •**जायसी:** पदमावत (सिंहलद्वीप खंड और नागमती वियोग खंड) सं. श्याम सुन्दर दास •**बिहारी:** बिहारी रत्नाकर (आरंभिक 100 दोहे) सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर
Mini Mock Test 6	**Paper 2**	**खंड : 'क'** (पद्य साहित्य)	•**मैथिलीशरण गुप्त:** भारत भारती •**जयशंकर प्रसाद:** कामायनी (चिंता और श्रद्धा सर्ग) •**सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला':** राग–विराग (राम की शक्ति पूजा और कुकुरमुत्ता) सं. रामविलास शर्मा •**रामधारी सिंह 'दिनकर':** कुरुक्षेत्र •**अज्ञेय:** आंगन के पार द्वार (असाध्यवीणा) •**मुक्ति बोध:** ब्रह्मराक्षस •**नागार्जुन:** बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, हरिजन गाथा।

Type of test	Paper	Major Topics	Micro Topics
Mini Mock Test 7	Paper 2	**खंड : 'ख'** (गद्य साहित्य)	•**भारतेन्दु:** भारत दुर्दशा •**मोहन राकेश:** आषाढ़ का एक दिन •**रामचंद्र शुक्ल:** चिंतामणि (भाग–1), (कविता क्या है, श्रद्धा–भक्ति)। •**निबंध निलय:** संपादक : डॉ. सत्येन्द्र। बाल कृष्ण भट्ट, प्रेमचन्द, गुलाब राय, हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, अज्ञेय, कुबेरनाथ राय। •**प्रेमचंद:** गोदान, 'प्रेमचंद' की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ (संपादक: अमृत राय)
Mini Mock Test 8	Paper 2	**खंड : 'ख'** (गद्य साहित्य)	•**प्रसाद:** स्कंदगुप्त •**यशपाल:** दिव्या •**फणीश्वरनाथ रेणु:** मैला आंचल •**मन्नू भण्डारी:** महाभोज •**राजेन्द्र यादव (सं.):** एक दुनिया समानान्तर (सभी कहानियाँ)
Section Test 1	Paper 1	**खंड : 'क'**	**सम्पूर्ण पाठ्यक्रम।**
Section Test 2	Paper 1	**खंड : 'ख'**	**सम्पूर्ण पाठ्यक्रम।**
Section Test 3	Paper 2	**खंड : 'क'**	**सम्पूर्ण पाठ्यक्रम।**
Section Test 4	Paper 2	**खंड : 'ख'**	**सम्पूर्ण पाठ्यक्रम।**
Full Length Test 1	Paper 1	**सम्पूर्ण पाठ्यक्रम।**	
Full Length Test 1	Paper 2	**सम्पूर्ण पाठ्यक्रम।**	

वैकल्पिक विषय – हिंदी साहित्य पाठ्यक्रम

खंड : 'क' (हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का इतिहास)

- अपभ्रंश, अवहट्ट और प्रारंभिक हिन्दी का व्याकरणिक तथा अनुप्रयुक्त स्वरूप।
- मध्यकाल में ब्रज और अवधी का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास।
- सिद्ध एवं नाथ साहित्य, खुसरो, संत साहित्य, रहीम आदि कवियों और दक्खिनी हिन्दी में खड़ी बोली का प्रारंभिक स्वरूप।
- उन्नीसवीं शताब्दी में खड़ी बोली और नागरी लिपि का विकास।
- हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का मानकीकरण।
- स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी का विकास।
- भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास।
- हिन्दी भाषा का वैज्ञानिक और तकनीकी विकास।
- हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ और उनका परस्पर संबंध।
- नागरी लिपि की प्रमुख विशेषताएँ और उसके सुधार के प्रयास तथा मानक हिन्दी का स्वरूप।
- मानक हिन्दी की व्याकरणिक संरचना।

खंड : 'ख' (हिन्दी साहित्य का इतिहास)

1. **हिन्दी साहित्य की प्रासंगिकता और महत्त्व तथा हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की परम्परा।**
2. **हिन्दी साहित्य के इतिहास के निम्नलिखित चार कालों की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ**

(क) **आदिकाल:** सिद्ध, नाथ और रासो साहित्य।
प्रमुख कविः चंदबरदाई, खुसरो, हेमचन्द्र, विद्यापति।

(ख) **भक्ति काल:** संत काव्य धारा, सूफी काव्यधारा, कृष्ण भक्तिधारा और राम भक्तिधारा। प्रमुख कवि : कबीर, जायसी, सूर और तुलसी।

(ग) **रीतिकाल:** रीतिकाव्य, रीतिबद्ध काव्य, रीतिमुक्त काव्य
प्रमुख कवि : केशव, बिहारी, पदमाकर और घनानंद।

(घ) **आधुनिक काल:** (क) नवजागरण, गद्य का विकास, भारतेन्दु मंडल
(ख) प्रमुख लेखक : भारतेन्दु, बाल कृष्ण भट्ट और प्रताप नारायण मिश्र।
(ड.) आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ। छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता और जनवादी कविता।

प्रमुख कवि: मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह 'दिनकर', सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', गजानन माधव मुक्तिबोध, नागार्जुन।

3. कथा साहित्य:

(क) उपन्यास और यथार्थवाद

(ख) हिन्दी उपन्यासों का उद्भव और विकास

(ग) प्रमुख उपन्यासकार : प्रेमचन्द, जैनेन्द्र, यशपाल, रेणु और भीष्म साहनी।

(घ) हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास।

(ड़) प्रमुख कहानीकार : प्रेमचन्द, जयशंकर प्रसाद, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', मोहन राकेश और कृष्णा सोबती।

4. नाटक और रंगमंच:

(क) हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास

(ख) प्रमुख नाटककार : भारतेन्दु, जयशंकर प्रसाद, जगदीश चंद्र माथुर, रामकुमार वर्मा, मोहन राकेश।

(ग) हिन्दी रंगमंच का विकास।

5. आलोचना:

(क) हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास– सैद्धांतिक, व्यावहारिक, प्रगतिवादी, मनोविश्लेषणवादी आलोचना और नई समीक्षा।

(ख) प्रमुख आलोचक – रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा और नगेन्द्र।

6. हिन्दी गद्य की अन्य विधाएँ: ललित निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृत्तान्त।

प्रश्नपत्र-2

इस प्रश्नपत्र में निर्धारित मूल पाठ्यपुस्तकों को पढ़ना अपेक्षित होगा और ऐसे प्रश्न पूछे जाएंगे जिनसे अभ्यर्थी की आलोचनात्मक क्षमता की परीक्षा हो सके।

खंड : 'क' (पद्य साहित्य)

- **कबीर:** कबीर ग्रंथावली (आरंभिक 100 पद) सं. श्याम सुन्दर दास
- **सूरदास:** भ्रमरगीत सार (आरंभिक 100 पद) सं. रामचंद्र शुक्ल
- **तुलसीदास:** रामचरित मानस (सुंदर काण्ड), कवितावली (उत्तर काण्ड)
- **जायसी:** पदमावत (सिंहलद्वीप खंड और नागमती वियोग खंड) सं. श्याम सुन्दर दास
- **बिहारी:** बिहारी रत्नाकर (आरंभिक 100 दोहे) सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर
- **मैथिलीशरण गुप्त:** भारत भारती
- **जयशंकर प्रसाद:** कामायनी (चिंता और श्रद्धा सर्ग)
- **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला':** राग-विराग (राम की शक्ति पूजा और कुकुरमुत्ता) सं. रामविलास शर्मा
- **रामधारी सिंह 'दिनकर':** कुरुक्षेत्र
- **अज्ञेय:** आंगन के पार द्वार (असाध्यवीणा)
- **मुक्ति बोध:** ब्रह्मराक्षस
- **नागार्जुन:** बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, हरिजन गाथा।

खंड : 'ख' (गद्य साहित्य)

- **भारतेन्दु:** भारत दुर्दशा
- **मोहन राकेश:** आषाढ़ का एक दिन
- **रामचंद्र शुक्ल:** चिंतामणि (भाग-1), (कविता क्या है, श्रद्धा-भक्ति)।
- **निबंध निलय:** संपादक : डॉ. सत्येन्द्र। बाल कृष्ण भट्ट, प्रेमचन्द, गुलाब राय, हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, अज्ञेय, कुबेरनाथ राय।
- **प्रेमचंद:** गोदान, 'प्रेमचंद' की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ (संपादक : अमृत राय)
- **प्रसाद:** स्कंदगुप्त
- **यशपाल:** दिव्या
- **फणीश्वरनाथ रेणु:** मैला आंचल
- **मन्नू भण्डारी:** महाभोज
- **राजेन्द्र यादव (सं.):** एक दुनिया समानान्तर (सभी कहानियाँ)